

खबर संक्षेप
पीएचसी पंतोरा में स्टाफ नर्स की हुई पदस्थापना



कोरबा। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पंतोरा में पदस्थ स्टाफ नर्स वीणा पटेल ने दो वर्षों के उच्च अध्ययन एमएससी नर्सिंग की पढ़ाई पूर्ण कर वापस पीएचसी पंतोरा में अपना कार्यभार ग्रहण कर लिया है। जिससे अस्पताल में महिला स्टाफ नर्स कमी बनी हुई तो जो आज दूर हो गयी। महिलाओं को मिलने वाली स्वास्थ्य सुविधा के लाभ में बढ़ोतरी होगी, पूर्व में वीणा पटेल की पदस्थापना पंतोरा अस्पताल में रही। इनके द्वारा लोगों स्वास्थ्य सुविधा प्रदान की जाती थी। उनके अधिन अवकाश पर जाने से यहां महिला स्वास्थ्य जांच, संस्थागत प्रसव सुविधा में कमी आ रही थी। अब उनके कार्यभार ग्रहण करने से अस्पताल में स्वास्थ्य सुविधा बढ़ेगी, जिससे पंतोरा और आसपास के लोगों को अच्छी स्वास्थ्य सुविधा मिलेगी।

मई-जून माह में नहीं है विवाह मुहूर्त जुलाई का करना पड़ेगा इंतजार

कोरबा। हर साल अप्रैल से लेकर जून तक ढेरों विवाह होती है, लेकिन इस बार ऐसा नहीं होगा। अप्रैल में 8 शुभ मुहूर्त के बाद शादी के लिए अगला मुहूर्त जुलाई महीने में है। इसके बीच मई और जून में इस साल कोई भी शुभ मुहूर्त शादी का नहीं है। जुलाई में भी सिर्फ चार मुहूर्त हैं, उसके बाद फिर चार महीने ब्रेक लग जाएगा। 24 अप्रैल को शुक्र मेष राशि में प्रवेश कर चुका है। जहां पहले से ही सूर्य का गोचर हो रहा है और मेष राशि में प्रवेश करते ही शुक्र अस्त हो गया है। शुक्र 7 जुलाई तक अस्त रहेगा। 6 मई से गुरु ग्रह भी अस्त हो जाएगा, जो 2 जून को उदित होगा, वहीं शुक्र अस्त ही रहेगा। इस कारण मई व जून माह में एक भी लग्न नहीं है। इसके बाद सात जुलाई से लग्न शुरू होगा, जो 16 जुलाई को समाप्त हो जाएगा। अगस्त सितंबर और अक्टूबर दूबर महीने में भी शादियां नहीं होगी। फिर 17 नवंबर में लग्न शुरू हो जाएगा।

ट्रेन से कटकर महिला ने की आत्महत्या

कोरबा। रेलवे स्टेशन के सेकंड एंटी से लगे कोयला साइडिंग परिया में ट्रेन से कटकर एक महिला ने आत्महत्या कर ली। जानकारी के अनुसार पति की मौत के बाद कांति बाई महंत उम्र लगभग 56 वर्ष अपने बेटे के साथ मानिकपुर चौकी क्षेत्र अंतर्गत रेलवे कॉलोनी में रहती थी। शुक्रवार की सुबह लगभग 4 बजे घर से दिशा मैदान जाने के नाम से निकाल कर कोयला साइडिंग परिया में पहुंची और ट्रेन से कटकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची आरपीएफ और मानिकपुर चौकी पुलिस मामले की जांच में जुटी। आत्महत्या किस वजह से कियी है यह फिलहाल पता नहीं चल पाया है लेकिन बताया जा रहा है मृतिका का बेटा आदतन शराबी है जिसके शराब पीने की आदत से महिला परेशान रहती थी।

आंबा कार्यकर्ताओं को सुपरवाइजर एड पर मिलेगी पदोन्नति

कोरबा। निर्धारित उम्र से अधिक हो जाने के कारण सुपरवाइजर पद पर पदोन्नत से वंचित आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को नियमों में उचित बदलाव करने का निर्देश दिया है। राज्य सरकार ने वर्ष 2021 में 200 पद तथा वर्ष 2023 में 440 पद सुपरवाइजरों की भर्ती के लिए निकाले थे। इनमें से 50 प्रतिशत पदों को सीधी भर्ती से भरा जाना था तथा शेष 50 प्रतिशत में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को मौका दिया जाना था। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता तथा अन्य कई कार्यकर्ताओं ने अलग-अलग याचिकाएं दायर कर बताया था कि उन्होंने लंबे समय तक आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के रूप में सेवाएं दी हैं लेकिन उम्र सीमा 45 वर्ष निर्धारित करने के कारण उन्हें भर्ती प्रक्रिया में शामिल नहीं किया गया। एक अन्य याचिकाकर्ता सुषमा दुबे को इसी आधार पर चयन होने के बावजूद पदोन्नत नहीं किया गया। इन याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान शासन ने नियमों का हवाला देते हुए बताया कि उक्त आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सुपरवाइजर नहीं बनाए जा सकते। जस्टिस रमेश सिन्हा की बेंच ने कहा कि उक्त आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने वर्षों तक विभाग में सेवा दी है।

भीषण गर्मी में ट्रांसफार्मरों पर बढ़ा लोड, बार-बार गुल हो रही बिजली

हरिभूमि न्यूज ►► कोरबा

उड़ रहे एमसीबी, टूट रहे तार, ट्रांसफार्मर भी छोड़ रहे साथ

खास बातें

- बार-बार बिजली की आंख मिचौली से उपभोक्ता परेशान
- तापमान में भी हो रही बढ़ोतरी



गर्मी का सीजन शुरू होने के साथ ही ट्रांसफार्मरों पर लोड बढ़ गया है। यही कारण है कि एक के बाद एक ट्रांसफार्मरों में लगाए गए एमसीबी उड़ रहे हैं। इसके अलावा अन्य फॉल्ट भी सामने आ रहे हैं।

पूर्व की ओर से आ रही गर्म हवाओं के चलते अप्रैल माह के से ही सूर्य ने अपना प्रचंड रूप दिखाया शुरू कर दिया है। दिन का तापमान जहां 41 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। वहीं रात के न्यूनतम तापमान में भी 2 डिग्री सेल्सियस का इजाफा हुआ है। गर्मी से राहत पाने के लिए घर, आफिस समेत शासकीय दफ्तरों में दिनभर कूलर और पंखा भी चलने लगा है, जिसके चलते बिजली की खपत बढ़ गई है। ट्रांसफार्मरों में लोड बढ़ने एमसीबी धड़ाधड़ उड़ रहे

बार-बार गुल हो रही बिजली

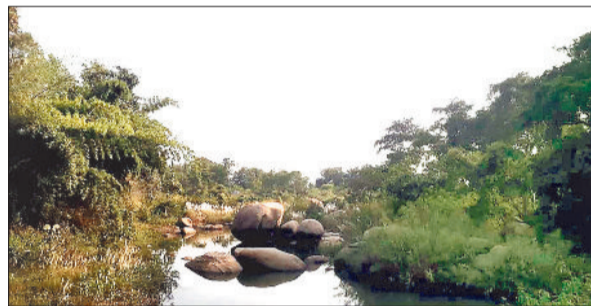
फॉल्ट आने पर भरी गर्मी की दुपहरी में बिजली विभाग मटेनेंस व मरम्मत के काम पर बिजली की आपूर्ति बाधित हो रही है। जिसके चलते उपभोक्ताओं को खाली परेशानी झेलनी पड़ रही है। इलाके में तेज गर्मी पड़ रही है कभी शहर में बिजली की समस्या तो कभी ग्रामीण इलाकों में देखने को मिल रही है। कई इलाकों में गर्मी में होने वाली समस्याओं से निजात मिल रही है, लेकिन अब ऐसा ही कुछ शहर इलाकों में भी यही स्थिति देखने को मिल रही है बार-बार बिजली के बंद होने से कई कार्य भी प्रभावित हो रहे हैं।

हैं। गर्मी बढ़ने के साथ ही अचानक बिजली का लोड बढ़ने से मटेनेंस करने में विभागीय अधिकारी-कर्मचारियों को मशकत करना पड़ रहा है। भीषण गर्मी होने के कारण ट्रांसफार्मर गरम हो रहा है। शाट-सर्किट के चलते इसमें आग लगने की घटना सामने आ रही है। खपत बढ़ने के साथ ही बिजली की आंख मिचौली भी शुरू हो गई है। शहर और गांवों में बिजली बार-बार बंद हो रही है। इससे उसम और गर्मी ने लोगों को परेशान कर दिया है। दरों में भी लो-वोल्टेज की समस्या से ग्रामीण जूझ रहे हैं।

दो बार बैरंग लौटा सिंचाई विभाग का अमला

दोंदरोनाला में बन रहे एनीकट का ग्रामीणों ने जताया विरोध

हरिभूमि न्यूज ►► कोरबा



दोंदरो नाला जहां बनेगा एनीकट।

बालको बेलाकछार ग्राम से बहने वाले दोंदरोनाला में सिंचाई विभाग के द्वारा बनाए जा रहे एनीकट का ग्रामीणों ने स्थान बदलने की मांग को लेकर विरोध किया है। एनीकट का निर्माण दोंदरो, बेलाकछार व

खास बात

- ग्रामीण कर रहे हैं स्थान बदलने की मांग

आसपास के ग्रामों के खेतों की सिंचाई के लिए पानी की सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से निर्माण कराया जा रहा है, किंतु ग्रामीणों के स्थान बदलने की मांग पर अड़े होने के कारण सिंचाई विभाग के अमले को दो बार बैरंग लौटना पड़ा है।

सिंचाई के रकबे को बढ़ाने के

लिए विभाग के द्वारा शासन को पहाड़ी नालों में एनीकट बनाए जाने का प्रस्ताव भेजा था ताकि पहाड़ी नालों के पानी का सिंचाई में उपयोग किया जा सके। अपनी इसी योजना के अंतर्गत विभाग के द्वारा ग्राम रोगबहरी के सारबहरा नाला में एनीकट का निर्माण किया गया है। इसी कड़ी में ग्राम दोंदरो से बहने वाले पहाड़ी नाले में भी ग्राम बेलाकछार के समीप एनीकट बनाने का काम सिंचाई विभाग द्वारा शुरू किया जा रहा है। इसके लिए उसके द्वारा नाले में भी स्थान का चयन किया गया है। जिस स्थान पर एनीकट बनाने का काम किया जाएगा वह स्थान काफी चौड़ा है, किंतु ग्रामीण उस स्थान पर निर्माण कार्य का विरोध कर स्थान बदलने की मांग कर रहे हैं, जबकि तकनीकी रूप से एनीकट निर्माण के लिए वही स्थल विभाग

बड़ेगा पानी के केचमेंट का एरिया

एनीकट बनने से बेलाकछार से लेकर दोंदरो तक पानी का केचमेंट एरिया बढ़ेगा और दोनों ग्रामों के किसानों के खेतों में लिफ्ट एरिजेशन के द्वारा खेतों की सिंचाई हो सकेगी। जिसके लिए विभाग ने एनीकट बनाने का प्रस्ताव तैयार किया है। जिस स्थान पर एनीकट बनाया जा रहा है उस स्थान से लेकर लगभग 500 मीटर तक पानी का केचमेंट एरिया रहेगा। जिसके पानी का उपयोग ग्रामीणों के खेतों तक हो सकेगा। एनीकट निर्माण को लेकर सिंचाई विभाग ने अपने उच्च अधिकारियों को अवगत भी करा दिया है।

बेजाकछावाही हुए सफ़्ट

एनीकट निर्माण का का स्थान बदलने वालों में ऐसे लोग भी शामिल हैं जो नालों के दोनों ओर सब्जों की खेती करते हैं। एनीकट के निर्माण होने के कारण पानी का केचमेंट एरिया बढ़ने से खेती वाली भूमि पानी के डूबान में आ जाएगी, जिससे ग्रामीण सब्जी खेती नहीं कर सकेंगे। यही कारण है कि वे बार बार स्थान बदलने की मांग कर रहे हैं। वहीं पंचायत प्रतिनिधि सिंचाई विभाग के प्रस्ताव को अपनी सहमति दे रहे हैं, किंतु बेजाकछावाही के विरोध से निर्माण कार्य अब तक शुरू नहीं हो सका है।

के तकनीकी कर्मचारियों ने चयन किया है, किंतु कुछ ग्रामीणों के हठधर्मिता से निर्माण पर रोक लगी हुई है। विभाग के द्वारा इसके पूर्व

सर्वमंगला नहर मार्ग पर नहीं दौड़ेंगे भारी वाहन



सर्वमंगला मार्ग में लगी वाहनों की लंबी कतार।

हरिभूमि न्यूज ►► कोरबा

कोयला परिवहन में लगे भारी वाहनों के कारण पूरी तरह जर्जर हो चुके कुसमुंडा मार्ग का नया निर्माण कराया जा रहा है। मार्ग के निर्माण में विलंब भी हो रहा है। भारी वाहनों के आवागमन के लिए सर्वमंगला मंदिर मार्ग को डायवर्सन रोड बनाया गया है और यह भी खराब होने से लगातार जाम की समस्या व आए दिन दुर्घटना की संभावना बन रही है। कटघोरा एसडीएम ने एक आदेश जारी कर सर्वमंगला नहर मार्ग को प्रतिबंधित किया है।

अनुविभागीय दृष्टाधिकारी कटघोरा ने जारी आदेश में कहा है कि सर्वमंगला डायवर्सन रोड खराब होने से लगातार ट्रकों के

जाम की समस्या होती है एवं आए दिन दुर्घटना होती रहती है जिसके कारण आम जनता को आवागमन में परेशानियों के साथ दुर्घटना की संभावना बनी रहती है। आगामी दिनों में मानसून के समय होने वाली परेशानियों व आम जनता की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सड़क निर्माण कराया जाना अति आवश्यक है अतः वर्षा ऋतु के समय परिवहन में अत्यंत परेशानी हो सकती है। उक्त कारणों को दृष्टिगत रखते हुए आगामी आदेश पर्यंत भारी वाहनों एवं कोयला परिवहन को सर्वमंगला रेलवे फाटक से उरगा नहर मार्ग तक प्रतिबंधित कर किसी अन्य वैकल्पिक मार्ग से परिवहन करवाने की व्यवस्था किया जावे।

उधार में दी रकम वापस नहीं मिलने पर उठाया आत्मघाती कदम, मौत

हरिभूमि न्यूज ►► कोरबा

उधार में मोटी रकम देने के बाद रकम वापस मांगने पर उसके खिलाफ ही पुलिस में झूठी शिकायत करने और ऊंची पहुंच का धौंस देने से प्रताड़ित होकर आखिरकार ग्राम बाता निवासी रमाशंकर पाटले ने आत्महत्या कर अपनी इहलीला समाप्त कर ली। मरने से पूर्व अपने ससुरासड नोट में भी रमाशंकर ने दो लोगों को मोटी रकम उधार में देने और रकम वापस मांगने पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाते हुए आत्महत्या करने का उल्लेख किया है। बावजूद इसके

देंगे कल देंगे कहकर रमाशंकर को भ्रम में रखा गया। रकम वापसी के एवज में चेक दिया गया पर पैसा नहीं दिया गया। कई बार रकम वापसी की मांग करने पर रंजीत रात्रे द्वारा उसके खिलाफ कटघोरा थाना में झूठी शिकायत दर्ज करा दी गई। रमाशंकर के कटघोरा थाना पहुंचने पर रंजीत सिंह द्वारा उल्टा उसे धमकी दी गई और पैसे की डिमांड की गई। इसी तरह शरद मसीह भी बार बार पैसा मांगने के बाद भी पैसा वापस नहीं किया। बार बार चुमाया गया और ऊंची पहुंच की धौंस दी गई जिससे मानसिक रूप से परेशान होकर रमाशंकर पाटले द्वारा जान देने का आत्मघाती कदम उठाना पड़ा। इस हदसे के बाद रमाशंकर को एनकेएच अस्पताल में भर्ती कराया गया

खास बात

- दो लोगों को ठहराया अपनी मौत का जिम्मेदार

जहां आईसीयू में उपचार के दौरान कुछ दिनों में पैसों की तंगी को देखते हुए परिजनों ने उसे जिला अस्पताल रेफर करा लिया जहां उपचार के दौरान शुक्रवार को रमाशंकर पाटले की मौत हो गई। हैरानी वाली बात यह है कि सुसाइड नोट में रकम देने और रकम वापस नहीं मिलने के कारण रंजीत रात्रे और शरद मसीह से प्रताड़ित होकर आत्महत्या करने का उल्लेख होने के बाद भी अब तक पुलिस ने उक्त दोनों लोगों के उधार में दिए थे। जिसके बाद जरूरत पड़ने पर रमाशंकर पाटले द्वारा रंजीत कुमार रात्रे और शरद मसीह से उधार में दी गई रकम वापस करने की मांग की गई तब उक्त दोनों लोगों के द्वारा आज

रेल कोच में लगी आग को बुझाने का किया गया प्रयास



मॉकड्रिल के दौरान आग बुझाते हुए।

कोरबा। रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए हर स्तर पर कड़े कदम उठाए जाते हैं। आपात स्थिति में आग की रोकथाम के लिए स्टेशनों और गाड़ियों के एसी कोच आदि में अग्निशमन यंत्र उपलब्ध कराए जाते हैं। आग लगने के दौरान ट्रेन में उपलब्ध अग्निशमन उपकरण का प्रयोग सभी कर्मचारी कर सकें। इसी उद्देश्य बिलासपुर माल गोदाम के पास कंडम कोच में आग लगने का प्रदर्शन कर कर्मचारियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। 9 मई को वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी साकेत रंजन के मार्गदर्शन में नागरिक सुरक्षा निरीक्षकों तथा संरक्षा सलाहकारों द्वारा कोचिंग डिपो तथा दुर्घटना राहत यान के कर्मचारियों को फायर सेफ्टी नियमों की जानकारी दी गई तथा एक सवारी गाड़ी के कंडम कोच में ज्वलनशील सामान पर आग लगाकर उसे बाहर निकाला गया तथा अग्निशमन यंत्रों का प्रयोग करने की विधियों के बारे में प्रशिक्षण देकर उनके ही हाथों अग्निशमन यंत्र का उपयोग कराकर आग को बुझाया गया। प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षकों ने कर्मचारियों को आग से होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए लो जाने वाली सावधानियों के बारे में भी विस्तारपूर्वक बताया गया।

खास बात

- आपात स्थिति से निपटने किया गया मॉकड्रिल

आधुनिक तकनीक से कोल स्टॉक का किया गया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ►► कोरबा

सीवीओ जयंत कुमार खमारी के नेतृत्व में एसईसीएल सतर्कता विभाग ने आधुनिक तकनीक की मदद से एसईसीएल के कुसमुंडा एवं रायगढ़ क्षेत्रों में कोयला स्टॉक, आईटी उपायों जैसे वे-ब्रिज, बूम बैरियर, सीसीटीवी आदि का किया निरीक्षण।

कोयला मंत्रालय से प्राप्त निर्देशानुसार, गुड गवर्नेंस को बढ़ावा देने एवं भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत एसईसीएल सतर्कता विभाग द्वारा मुख्य सतर्कता अधिकारी जयंत कुमार खमारी के नेतृत्व में एसईसीएल के कुसमुंडा एवं रायगढ़ क्षेत्र में कोयला स्टॉक को मापने का व्यापक अभियान चलाया गया। निवारक सतर्कता (प्रिवेंटिव विजिलेन्स) के तहत चलाए गए इस अभियान में कोयला स्टॉक निरीक्षण करने के लिए सतर्कता विभाग द्वारा 2 टीमों का गठन किया गया था जिसमें 8-9 कोल स्टॉक भंडारण एवं मापने के विषय विशेषज्ञ अधिकारी भी शामिल थे। निरीक्षण के दौरान इन टीमों द्वारा कोयला स्टॉक मापने के लिए एडवांस्ड 3डी टीएलएस तकनीक का प्रयोग किया गया। इस अभियान के दौरान शनिवार एवं रविवार सहित सतर्कता विभाग की टीमों ने लगातार 6 दिन भीषण गर्मी का सामना करते हुए हर हिस्से में जाकर कोयला स्टॉक की जांच की। कई-कई जगह कोयला स्टॉक की मात्रा काफी अधिक थी लेकिन फिर भी टीम ने पूरी मुस्तैदी पूरे स्टॉक को मापा।



कोल स्टॉक का निरीक्षण करता सीवीओ।

कोयला स्टॉक मापने के अतिरिक्त इस अभियान में विभिन्न आईटी उपायों जैसे वे-ब्रिज, बूम बैरियर, सीसीटीवी, डबल्यूसीएस तथा कोल हैंडलिंग प्लांट, दोनों तरफ का वेमेंट, आदि की भी वृहत समीक्षा की गई। सरकारी कोयला एवं लिग्नाइट कंपनियों में गुड गवर्नेंस को बढ़ावा देने एवं कोयला स्टॉक मापने से जुड़ी गतिविधियों में पारदर्शिता लाने के उद्देश्य से इस अभियान की परिकल्पना अपर सचिव एवं मुख्य सतर्कता अधिकारी, कोयला मंत्रालय श्रीमती रूपिंदर बरार द्वारा की गई। श्रीमती बरार के दिशा-निर्देशन में संभवतः पहली बार देशभर की कोल एवं लिग्नाइट कंपनियों में एक साथ कोयला स्टॉक जाँचने का यह व्यापक अभियान चलाया गया। मुख्य सतर्कता अधिकारी, कोल इंडिया ब्रजेश कुमार त्रिपाठी द्वारा भी एसईसीएल में चलाए गए अभियान की लगातार मॉनिटरिंग की गई।

पीपीओ रिवाइज्ड किए जाने की प्रक्रिया में हुई देरी कोल पेंशनरों का डाटा नहीं जुटा पाई कोल कंपनियों

हरिभूमि न्यूज ►► कोरबा

कोल इंडिया की सहायक कंपनियों के कोल पेंशनरों से डेटा जुटाने में देरी से सभी कोयला पेंशनभोगियों का पेंशन पेमेंट ऑर्डर रिवाइज्ड नहीं हो पाया है। पीपीओ रिवाइज्ड होने के बाद ऑनलाइन प्रक्रिया होने से जीवनसाथी को लाभार्थी की मृत्यु पर पेपरलेस पेंशन भुगतान की सुविधा मिलेगी। कागजी प्रक्रिया पूरी करने के फेर में कोयला पेंशनरों के जीवनसाथी को परेशान नहीं होना पड़ेगा और बिना देरी के पेंशन का भुगतान भी

हो सकेगा। कोयला कर्मियों को सेवानिवृत्ति के बाद हर महीने पेंशन का भुगतान किया जाता है। कोल पेंशनरों की मृत्यु पर जीवनसाथी को उसके जीवित रहने तक नियमानुसार पेंशन देने का प्रावधान है। जीवनसाथी को लाभार्थी की मृत्यु पर पेंशन पाने दफ्तर के चक्कर लगाने पड़ते हैं। इससे दुख की घड़ी में परेशानी झेलनी पड़ती है। रिटायर्ड कोयला कर्मियों को पेंशन भुगतान करने वाली कोल माईस पेंशन फंड आर्गनाइज्ज के पीपीओ रिवाइज्ड कर ऑनलाइन कर प्रक्रिया

एआईएसीई के प्रस्ताव पर अमल नहीं

डाटा जुटाने एआईएसीई के प्रस्ताव को अमल में नहीं लाया ऑल इंडिया एसोसिएशन ऑफ कोल एजजीक्यूटिव ने सुझाव दिया था कि कोल पेंशनरों की डाटा पेंशन वितरण बैंको से जुटाई जा सकती है। मगर इसे अमल में नहीं लाया गया है। अनेक कोयला कंपनियों सभी पेंशनभोगियों से अब तक डाटा नहीं जुटा पाया है। जबकि लगभग 7 महीने का लंबा समय गुजर गया है।

जाने की प्रक्रिया में देरी हुई है। कोल इंडिया ने एसईसीएल समेत अन्य सहायक कोयला कंपनियों से रिटायर्ड कोल पेंशनरों को अब 30 जून के पहले अनिवार्य रूप से दस्तावेज अपने संबंधित एरिया कार्यालय में जमा कराने अपील की है। तय प्रारूप में भरकर

हरिभूमि न्यूज ►► कोरबा

बांगो थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत लेपरा के आश्रित ग्राम महुआपारा निवासी एक व्यक्ति को करंट लगने

खास बात

- बांगो थाना क्षेत्र का मामला

से मौत हो गई। जानकारी अनुसार महुआपारा निवासी जाहिल्लाद यादव मजदूरी व बिजली मिस्त्री का काम करता था। ज्ञात हो कि बरभांठा के आंगनवाड़ी के पास स्ट्रीट लाइट काफ़ी दिनों से खराब थी, जिससे सुधार करने के लिए वह खम्भे पर

चढ़ गया, बताया जा रहा है खंबे में बिजली चालू हालत में थी, स्ट्रीट लाइट सुधारने के दौरान करंट लगने से जमीन पर गिर गया, तत्काल स्थानीय लोगों द्वारा गंभीर हालात में उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पोड़ी उपरोड़ा लाया गया। जहां चिकित्सकों ने परीक्षण उपरांत उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के परिवार ने बिजली विभाग पर आरोप लगाते हुए कहा कि स्ट्रीट लाइट खराब होने की सूचना बिजली विभाग को दी जा चुकी थी। बावजूद इसके स्ट्रीट लाइट का सुधार नहीं किया गया था। बिजली विभाग की लचक व्यवस्था की वजह से यह घटना घटी है।

